समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

बांके बिहारी के बक्से को वर्षों बाद खोलने की तैयारी, SBI लॉकर से सामने आएगा 'राज'

Publisher

Published on 18 Sep 2025

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले स्थित **वृंदावन का बांके बिहारी मंदिर** एक बार फिर चर्चा में है। मंदिर से जुड़ा एक रहस्यमयी बक्सा, जो पिछले कई दशकों से **स्टेट बैकं ऑफ इंडिया (SBI) के लॉकर** में बंद है, अब खोले जाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। इस बक्से के खुलने से मंदिर से जुड़ा एक बड़ा राज सामने आने की संभावना है।

मंदिर और बक्से का पुराना रहस्य

बांके बिहारी मंदिर देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है, जहाँ हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन करने पहुँचते हैं। यह मंदिर अपनी अनोखी परंपराओं और आस्था के लिए जाना जाता है।

कहा जाता है कि मंदिर के **तहखाने और एक विशेष बक्से** में वर्षों से कीमती दस्तावेज़, धार्मिक वस्तुएँ और शायद प्राचीन धरोहरें सुरक्षित रखी गई हैं।

समय-समय पर यह बक्सा विवादों और चर्चाओं का विषय रहा है, लेकिन अब तक इसे खोला नहीं गया था। अब प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने इसे खोलने की प्रक्रिया शुरू की है।

SBI लॉकर मे क्यों रखा गया बक्सा ?

जानकारी के अनुसार, मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा कारणों से यह बक्सा **स्टेट बैकं ऑफ इंडिया की शाखा** में सुरक्षित रखवा दिया था।

इस कदम का मुख्य कारण था कि मंदिर परिसर में भीड़-भाड़ और सुरक्षा की दिक्कतों के चलते बक्से की सामग्री को चोरी या नुकसान से बचाया जा सके।

बक्से में क्या है, इसको लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन श्रद्धालु और स्थानीय लोग इसे लेकर कई तरह की अटकलें लगा रहे हैं।

प्रशासनिक तैयारी और कानूनी पहलू

मथुरा जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने अब मिलकर यह निर्णय लिया है कि बक्से को खोला जाएगा।

- **न्यायालय की निगरानी**: बताया जा रहा है कि यह प्रक्रिया कोर्ट की देखरेख और सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी में होगी।
- **सुरक्षा व्यवस्था**: बक्सा खोलते समय सुरक्षा बल तैनात रहेंगे, ताकि किसी प्रकार का विवाद या हंगामा न हो।
- **प्रोटोकॉल**: बक्से के अंदर मौजूद सामान का पूरा विवरण बनाया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर इसे सार्वजनिक भी किया जा सकता है।

श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों मे उंत्सुकता

बक्से को लेकर आम श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों में काफी उत्सुकता है। लोग जानना चाहते हैं कि इसमें आखिर ऐसा क्या है, जिसे इतने सालों से सुरक्षित रखा गया है।

कई लोग इसे धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हैं, तो कुछ का मानना है कि इसमें मंदिर की **प्राचीन विरासत, आभूषण या दान से जुड़ी सामग्री** हो सकती है।

बांके बिहारी मंदिर का महत्व

बांके बिहारी मंदिर का इतिहास 19वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह मंदिर भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित है और इसकी स्थापना स्वामी हरिदास ने की थी।

- यहाँ की एक विशेष परंपरा है कि भगवान के **आलौकिक स्वरूप** के कारण लगातार पर्दा लगाया जाता है।
- माना जाता है कि सीधे लंबे समय तक भगवान की मूर्ति को देखना किसी भी मनुष्य के लिए संभव नहीं है।
- मंदिर में साल भर अनेक त्योहारों और आयोजनों में लाखों श्रद्धालु जुटते हैं।

तहखाने के खुलने की तैयारी से जुड़ा मामला

कुछ समय पहले प्रशासन ने मंदिर के तहखाने को खोलने की प्रक्रिया भी शुरू की थी। इसका मुख्य उद्देश्य था कि मंदिर की सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए आवश्यक सुधार किए जा सकें।

बक्से को खोलने की प्रक्रिया भी उसी श्रृंखला का हिस्सा मानी जा रही है।

क्या सामने आएगा बक्से से ?

अभी तक बक्से के अंदर क्या है, यह केवल अटकलों का विषय है।

संभावनाएँ कई हैं—

1. मंदिर से जुड़ी **पुरानी पांडुलिपियाँ और दस्तावेज़**
2. दान किए गए **आभूषण और कीमती वस्तुएँ**
3. धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़ी धरोहर
4. मंदिर प्रबंधन और प्रशासनिक मामलों से संबंधित फाइलें

विवाद की आशंका और संवेदनशीलता

इस बक्से के खुलने के बाद विवाद भी खड़े हो सकते हैं, खासकर यदि इसमें मूल्यवान वस्तुएँ मिलती हैं।

- कुछ गुट इसे **धार्मिक विरासत** मान सकते हैं।
- वहीं, कुछ इसे **प्रबंधन और प्रशासन** से जुड़ा मामला बताएँगे।
- इसलिए प्रशासन पूरी सावधानी के साथ यह कदम उठा रहा है।

बांके बिहारी मंदिर का रहस्यमयी बक्सा अब खुलने की कगार पर है। दशकों से सुरक्षित रखा गया यह बक्सा लोगों की उत्सुकता का केंद्र बना हुआ है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.